



Gainer Academy

CLASS - 11TH

Psychology (मनोविज्ञान)

Chapter - 2

**Methods of investigation into theories
मनोविज्ञान में जांच के तरीके**



www.gaineracademy.in



Gainer Academy





Lesson - 2

मनोविज्ञान में जांच की विधियाँ

- * मनोवैज्ञानिक जांच के लक्ष्य : वर्णन, पूर्वकथन, व्याख्या, व्यवहार का नियंत्रण, अनुप्रयोग।
- * वर्णन : किसी घटना का सही-2 वर्णन करना।
- * पूर्वकथन : उसी घटना के घटित होने से पहले ही अपना एक कथन तैयार कर लेना।
- * व्याख्या : तीसरा लक्ष्य व्यवहार के कारणों की अधवा उसके निर्धारकों की जानकारी प्राप्त करना है।
- * नियंत्रण : जब हम व्यवहार विशेष के घटित होने की व्याख्या कर लेते हैं तो हम उक्त व्यवहार की पूर्ववर्ती दशाओं में परिवर्तन करके उसको नियंत्रित कर सकते हैं।
- * अनुप्रयोग : वैज्ञानिक जांच का अंतिम लक्ष्य लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाना है।

* मनोवैज्ञानिक अनुसंधान के चरण :

अनुसंधान : "किसी भी क्षेत्र में ज्ञान की खोज करना"।

वैज्ञानिक विधि में किसी घटना विशेष अधवा



गौचर का वस्तुनिष्ठ व्यवस्थित एवं परीक्षणीय तरीके से अध्ययन करने का प्रयास किया जाता है।

वस्तुनिष्ठता : जब दो या दो से अधिक व्यक्ति स्वतंत्र रूप से किसी घटना विशेष का अध्ययन करें तो दोनों को लगभग एक ही निष्कर्ष पर पहुँचना चाहिए।

* समस्या का संप्रत्ययन :

1) विषय का चयन

2) परिकल्पना → समस्या का एक काल्पनिक उत्तर ढूँढना।

* प्रदत्त संग्रह :

1) अध्ययन के प्रतिभागी : बच्चे, किशोर, महिलाएँ, पुरुष, वृद्धि (?)

2) प्रदत्त संग्रह की विधि : साक्षात्कार, अनुसूची, प्रेरण अनुसूची, प्रश्नावली।

3) अनुसंधान में प्रयुक्त उपकरण : पेन, पेंसिल, परीक्षण पुस्तिका।

4) प्रदत्त संग्रह की प्रक्रिया : संपूर्ण विधि का संश्लेषण।

* निष्कर्ष निकालना : संग्रहीत प्रदत्तों का सांख्यिकीय प्रक्रियाओं की सहायता से विश्लेषण करना है।

1) विश्लेषण करना : विश्लेषण का उद्देश्य परिकल्पना की



जांच करके तदनुसार निष्कर्ष निकालना है ।

* शोध निष्कर्षों का पुनरीक्षण :

1) परिकल्पना की पुष्टि ✓ X बच्चों में आक्रामकता और कैबिच संबंध, टेलीविजन पर हिंसा देखने से

अतः अनुसंधान निरंतर चलनेवाली प्रक्रिया है ।

* मनोवैज्ञानिक पदों का स्वरूप *

मनोवैज्ञानिक विविध स्रोतों से विभिन्न विधियों द्वारा सूचनाएँ एकत्रित करते हैं । सूचनाएँ लिखित पदों में कहा जाता है ।

मनोविज्ञान में हम विभिन्न प्रकार के पदों अथवा सूचनाओं संगृहीत करते हैं ।

1) जनसांख्यिकीय सूचनाएँ : इन सूचनाओं के अन्तर्गत व्यक्तिगत सूचनाएँ आती हैं : नाम, आयु, लिंग, जन्मक्रम, सहोदरों की संख्या, शिक्षा, व्यवसाय आदि ।

2) भौतिक सूचनाएँ : इसके अन्तर्गत पारिस्थितिक संबंधी सूचनाएँ आर्थिक दशा, आवास की दशा, कमरों का आकार, घर में, पड़ोस में एवं विद्यालय में उपलब्ध सुविधाएँ ।

3) दैहिक पद : कुछ अध्ययनों में लंबाई, वजन, हृदय गति, धकान का स्तर, गैल्वेनी त्वचा प्रतिरोध, रक्तचाप, प्रतिक्रिया काल, निद्रा की अवधि, लार की मात्रा तथा जैसी दैहिक एवं मनोवैज्ञानिक सूचनाओं को संगृहीत किया जाता है ।



IV) मनोवैज्ञानिक सूचना : कुछ अध्यायनों में बुद्धि, व्यक्तित्व, स्मृति, मूल्य, सर्जनशीलता, संवेग, अभिप्रेरणा, मनोवैज्ञानिक विकार, अन्मासक्ति, विक्षान्ति, अन्तम आदि।

मनोविज्ञान की कुछ महत्वपूर्ण विधियाँ

- | | |
|-------------------------|-------------------|
| 1) प्रेक्षण विधि | 2) प्रयोगिक विधि |
| 3) सहसंबन्धात्मक विधि | 4) सर्वेक्षण विधि |
| 5) मनोवैज्ञानिक परीक्षण | 6) व्यक्ति अध्ययन |

* प्रेक्षण विधि : व्यवहार के वर्णन की यह स्व सम्भावकारी विधि है।

- | | | |
|--------|------------|-----------------|
| 1) चयन | 2) अभिलेखन | 3) पदत विश्लेषण |
|--------|------------|-----------------|

* प्रेक्षण के प्रकार :

- 1) प्रकृतिवादी बनाम नियंत्रित प्रेक्षण : जब प्रेक्षक प्राकृतिक अथवा वास्तविक जगत की स्थिति में किया जाता है।

- 2) असहभागी बनाम सहभागी प्रेक्षण :
- i) किसी व्यक्ति या घटना का प्रेक्षण दूर से कर सकते हैं।
 - ii) प्रेक्षक प्रेक्षण किए जाने वाले समूह का एक सदस्य बनकर प्रेक्षण करता है।

* प्रयोगिक विधि *

प्रयोग प्रायः एक नियंत्रित दृशा में दो घटनाओं या परिबर्त्यों के मध्य कार्य-कारण संबंध स्थापित करने के लिए किया जाता है।



• परिवर्त्य का संप्रत्यय : कोई उद्दीपक या घटना जो बदलती रहती है।

• प्रयोगिक एवं नियंत्रित समूह :

→ जिसमें समूह सदस्यों को अनाश्रित परिवर्त्य प्रदृष्टन के लिए किया जाता है।

नियंत्रित समूह : जो प्रदृष्टित परिवर्त्य को छोड़कर शेष अन्य दृष्टियों से प्रायोगिक समूह की तरह का ही होता है।

• क्षेत्र प्रयोग एवं प्रयोग कल्प :

→ क्षेत्र अथवा प्राकृतिक स्थित जहाँ व्यवहार विशेष वास्तव में घटित करने का स्थल।

सहसंबंधात्मक अनुसंधान : मनोवैज्ञानिक अध्ययनों में हम प्रायः पूर्वकथन करने के लिए दो परिवर्त्यों के मध्य संबंध का निर्धारण करना चाहते हैं।

• दोनों परिवर्त्यों में संबंध की शक्ति एवं दिशा एक गणितीय लब्धांक द्वारा प्रस्तुत होती है जिसे सहसंबंध गुणांक कहते हैं।

इसका विस्तार $+1.00$, 0.0 से -1.0 तक होता है।

1) धनात्मक सहसंबंध : जब एक परिवर्त्य का मान बढ़ेगा तो दूसरे परिवर्त्य का मान भी बढ़ेगा।

$++ \quad \leq \quad -- \quad \underline{x}$

2) ऋणात्मक सहसंबंध : जैसे ही एक परिवर्त्य (x) का मान



बढ़ता है वैसे ही दूसरे परिवर्त्य (Y) का मान कम हो जाता है।

- शून्य सहसंबंध : जो ऋणात्मक सहसंबंध मिलेगा उसका विस्तार 0 और -1.0 के बीच होगा। यहाँ यह भी संभव है कि दो परिवर्त्यों के बीच कोई सहसंबंध न हो।

* सर्वेक्षण अनुसंधान : सर्वेक्षण अनुसंधान लोगों के मत अभिवृत्ति और सामाजिक तथ्यों का अध्ययन करने के लिए अस्तित्व में आया। इसका मुख्य स्रोत प्रारंभ में विद्यमान वास्तविकता अथवा मूल रेखा का पता लगाना था।

* सूचना संचित करने के लिए विविध प्रकार की तकनीकें :

1) वैयक्तिक साक्षात्कार : इसमें व्यक्ति दूसरे के व्यवहारों तथा शिष्टाचारों का अनुकरण करता है।

2) प्रश्नावली सर्वेक्षण : ऐसी विधि जिसमें सूचना संचित करने के लिए बहुत से प्रश्न पूछे जाते हैं।

3) दूरभाष सर्वेक्षण : यह दो या कभी-2 अधिक व्यक्तियों के बीच बातचीत करने के काम आता है।
→ टेलीफोन, रेडियो, संसचार मादि।

4) नियंत्रित प्रेक्षण : जिसमें निरीक्षककर्ता तथा अध्ययनकर्ता विषय की घटना या व्यवहार दोनों पर नियंत्रित स्थापित करके अध्ययन करता है।



* मनोवैज्ञानिक परीक्षण *

मनोवैज्ञानिकों ने विभिन्न विशेषताओं जैसे: बुद्धि, अभिव्यक्ति, व्यक्तित्व, रुचि, अभिरुचि, मूल्य, शैक्षिक उपलब्धि आदि के मूल्यांकन हेतु विभिन्न परीक्षणों का निर्माण किया है।

तकनीकी रूप से मनोवैज्ञानिक परीक्षण मानकीकृत एवं वस्तुनिष्ठ उपकरण होते हैं।

- 1) विश्वसनीयता: यदि कोई पैमाना समान परिस्थितियों में एक समान माप देता है तो इसे विश्वसनीय कहा जा सकता है।
- 2) वैधता: परीक्षण के उपयोग योग्य होने के लिए उसकी वैधता भी आवश्यक है। वैधता का संबंध इस प्रश्न से है कि क्या परीक्षण उस चीज का मापन कर रहा है जिसका कि वह मापन करने का दावा करता है।
- 3) मानकीकरण: मानक समूह का सामान्य अथवा औसत निष्पादन होता है।

* परीक्षण के प्रकार :

- भाषा के आधार पर वाचिक, अवाचिक तथा निष्पादन परीक्षण होते हैं।
- देने की रीति के आधार पर मनोवैज्ञानिक परीक्षणों को वैयक्तिक अथवा समूह परीक्षणों में विभाजित किया जाता है।



- मनोवैज्ञानिक परीक्षण गति एवं शक्ति परीक्षण के रूप में भी वर्गीकृत किए जाते हैं।

व्यक्ति अध्ययन : एक व्यक्ति विशेष का गहराई से अध्ययन करने पर बल दिया जाता है।

व्यक्ति अध्ययन नैदानिक मनोविज्ञान तथा मानव विकास के क्षेत्र में अनुसंधान का एक मूल्यवान उपकरण है।

फ्रायड की सोच जिससे मनोविवेक्षण के सिद्धांत का विकास हुआ वह उनके व्यक्तियों के विषय में प्रेक्षण एवं व्यवस्थित अभिलेख तैयार करने के कारण संभव हो सका था।

उसी प्रकार, पियार्जे ने संज्ञात्मक विकास के सिद्धांत का प्रतिपादन अपने तीन बच्चों के प्रेक्षण के आधार पर किया था।

गति : गति परीक्षण की एक समय सीमा होती है जिसमें परीक्षार्थी को सभी स्काशों का उत्तर देना होता है।

शक्ति : समय सीमा नहीं होती। एक शक्ति परीक्षण में स्काशों को जटिलता के बढ़ते क्रम में व्यवस्थित किया जाता है।

प्रदत्त विवेक्षण :

- 1) परिमाणत्मक विधि : मनोवैज्ञानिक परीक्षण, प्रश्नावली, संरचित साक्षात्कार आदि में अमुक्त प्रश्नों की एक श्रृंखला होती है। इन मापकों में प्रश्न तथा उत्तर



संभावित उत्तर दिए होते हैं। ✓ ① ✗ ② अंक ⇒ योग और एक समग्र अंक प्राप्त करता है जो प्रतिभागी के उस गुण विशेष के स्तर के विषय में बताता है।

- 2) गुणात्मक विधि: इनमें से एक विवरणात्मक विधि है। प्रदत्त सर्वदा लब्धांकों के रूप में नहीं प्राप्त होते हैं। भावनाओं को ध्यान पूर्वक सुनना।

मनोवैज्ञानिक जांच की सीमारं:

- 1) वास्तविक शून्य बिंदु का अभाव:
- 2) मनोवैज्ञानिक उपकरणों का सापेक्षिक स्वरूप:
- 3) गुणात्मक प्रदत्तों की आत्मपरक व्याख्या।

* नैतिक मुद्दे ⇒ अनुसंधानकर्ता से यह आशा की जाती है कि वह अपने अध्ययन के दौरान नैतिकता का पालन करेगा।

यै सिद्धांत है: अध्ययन में भाग लेने के लिए व्यक्ति की निजता एवं स्वयं का समान अध्ययन के प्रतिभागियों के उपकार अथवा किसी खतरों से उनकी सुरक्षा तथा अनुसंधान के लाभ में सभी प्रतिभागियों की भागीदारी।

नैतिक सिद्धांत के महत्वपूर्ण पक्ष:

- 1) स्वच्छिक सहभागिता
- 2) सूचित सहमति
- 3) स्पष्टीकरण
- 4) अध्ययन के परिणाम की भागीदारी
- 5) प्रदत्त स्रोतों की गोपनीयता।

About

WELCOME TO GAINER ACADEMY

I am Pankaj Verma Welcome to Our Study Verse Learn Anything, Anywhere, Anytime. Improve your skills with our Tutorials. Unlock your potential and achieve success with us and Unleash your inner genius with our expert guidance.

We are offering a wide range of educational programs for all age groups and all standard. We have dedicated teachers for helping students to reach their full potential and also guide students of their journey to success.

we are also available on



www.gaineracademy.in



GAINER ACADEMY



gaineracademy@gmail.com



[gainer_academy](https://www.instagram.com/gainer_academy)

